INNOVARE JOURNAL OF EDUCATION

Vol 2, Issue 2 , 2014

ISSN: 2347-5528

Original Article

# STUDY OF ROLE OF THE GUARDIANS IN THE MANAGEMENT OF PRIMARY SCHOOLS
## (प्राथमिक विद्यालयों के प्रबंधन में अभिभावको की भूमिका का अध्ययन)

**JAYDEEP MAHAR**

**lect. Saraswati Shiksha Mahavidya Laya , Mandsaur, M.P. Email**; jaydeep.panthi@gmail.com

***Received: 27 September 2014, Revised and Accepted:15 October 2014***

**सामान्य सारान्श**

प्रस्तुत शोध में प्रश्नावली का प्रयोग अभिभावकों से जानकारी प्राप्त करने हेतू किया गया। प्रश्नावली में कुल 25 प्रश्नो का समावेश किया गया जिनके उत्तर हॉ/नही में देना थे प्रश्नावली में शाला का समय, शिक्षकों का समय, शिक्षको का बच्चो के प्रति व्यवहार, अभिभावको। व शिक्षको का समन्वय, मध्याह्न भोजन , शाला गणवेश , अभिभावको का शाला व शिक्षको के प्रति दृष्टिकोण आदि संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया है।

**मुख्य बिन्दु:** प्राथमिक विद्यालय, अभिभावक, शिक्षक।

**प्रस्तावना –**

आज प्राथमिक स्तर पर ग्रामीण शिाक्षा के बिना उच्च स्तर पर शिक्षा के उन्नयन की अपेक्षा करना हास्यपद होगा। जब तक प्राथमिक स्तर पर शिक्षा गुणवत्ता पूर्ण नही होगी, उच्च शिक्षा के लक्ष्यो को प्राप्त नही किया जा सकता।

इस दृष्टि से प्राथमिक स्तर पर शिक्षण व्यवस्था के प्रभावी होने के साथ – साथ विधयालय के प्रबंधन मे स्थानीय में स्थानीय समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। आज जॅहा शत प्रतिशत नामंकन एंव ठहराव तथा शत प्रतिशत उत्तीर्णता की बाते की जाती है, ऐसे में प्राथमिक विधालयों के प्रबंधन में स्थानीय समुदाय की भूमिका और महत्व ओर भी बढ जाती है।

**विधि –**

शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया जिसके अर्न्तगत मन्दसौर जिले की 30 ग्रामीण शालाओं के अभिभावकों का सर्वेक्षण किया गया।

**न्यादर्ष –**

शिक्षा के क्षैत्र में शोध अध्ययनों की कमी को देखते हुए प्रस्तुत शोध में मध्य प्रदेश के मन्दसौर जिले को चुना गया है। इस हेतु मन्दसौर जिले के ग्रामीण शासकीय प्राथमीक शालाओं के अभिभावकों को न्यादर्श मे सम्मिलित किया गया है।

**न्यादर्श की संख्या**

| क्रमांक | | प्रत्येक विद्यालय में न्यादर्श | कुल विद्यालय में न्यादर्श | कुल संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | अभिभावक | 2 | 20X30 | 60 |
| | | योग 60 | | |

इस प्रकार न्यादर्श में प्रत्येक 30 ग्रामीण प्राथमीक विधलया को लिया गया है और प्रत्येक विधयालय के विधार्थी के 2–2 अभिभावको को लिया गया है।

**वैधता**

शोध अध्ययन में समस्या से संबंधित तथ्यों व सुचनाओं को एकत्रित करते हेतू उपकरणों का निर्माण शोधार्थी द्रारा विशेषज्ञो की राय से किया गया है, यह विषय वस्तु के आधार पर वैध है।

**प्रकिया**

प्रस्तुत शोध में प्रश्नावली का प्रयोग अभिभावकों से जानकारी प्राप्त करने हेतू किया गया। प्रश्नावली में कुल 25 प्रश्नो का समावेश किया गया जिनके उत्तर हॉ/नही में देना थे प्रश्नावली में शाला का समय, शिक्षकों का समय, शिक्षको का बच्चो के प्रति व्यवहार, अभिभावको। व शिक्षको का समन्वय, मध्याह्न भोजन , शाला गणवेश , अभिभावको का शाला व शिक्षको के प्रति दृष्टिकोण आदि संबंधित प्रश्नों का समावेश किया गया है।

**अभिभावकों हेतु पत्र**

श्रृद्धेय अभिभावकगण,

ये किसी से छुपा नहीं है कि ग्रामीण क्षेत्रों में आप लोगों को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मैं इस सम्बंद्ध में आपसे बात करना चाहता हूँ। मैं आपकी समस्याओं का शोध के माध्यम से सबके सामने लाना चाहता हूँ ताकि उनके निदान के लिये प्रयास किये जा सके।

शोधकर्ता जयदीप महार

**अभिभावकों की समस्याओं के अध्ययन हेतु प्रश्नावली**

| प्र. कं. | अभिभावकों हेतु प्रश्नावली | प्रश्नों के उत्तर हॉ नही |
|---|---|---|
| 1 | आपके बच्चे रोज शाला जाते है ? | |
| 2 | बच्चों के अनुसार शाला जाने का समय ठिक है ? | |
| 3 | शिक्षक शाला में रोज समय पर आते है ? | |
| 4 | शिक्षक कभी–कभी शाला आते है ? | |
| 5 | शिक्षक आपसे पढ़ाई के बारे में चर्चा करते है ? | |
| 6 | आपके अनुसार बच्चें को भोजन भरपेट मिलता है ? | |
| 7 | आपका बच्चा रोज शाला नही जा पाता है ? | |
| 8 | आप ''अभिभावक शिक्षक संघ'' की बैठक में जाते है ? | |
| 9 | शिक्षक और बच्चे के बीच व्यवहार ठिक है ? | |
| 10 | आप बच्चे को शिक्षण सामग्री समय पर लाकर देते है ? | |
| 11 | सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी आपकों है ? | |
| 12 | शाला जाने पर आपका बच्चा खुश रहता है ? | |
| 13 | आप लड़कियों को भी पढ़ने हेतु शाला भेजते है ? | |
| 14 | शिक्षक आपसे मिलने आते है ? | |
| 15 | शाला में होने वाली गतिविधियों के बारे में आपको | |

| | |
|---|---|
| | जानकारी रहती ? |
| 16 | आपका बच्चा शाला के बाद घर पर रोज पढ़ता है ? |
| 17 | शाला आपके घर से अधिक दूर है ? |
| 18 | शाला में आपके बच्चे को खेलने की सामग्री मिलती है ? |
| 19 | शाला का वातावरण शान्तिपूर्ण है ? |
| 20 | बच्चे की खेलकूद में रूचि बढ़ी है ? |
| 21 | वर्षा ऋतु में शाला पहुॅच मार्ग सुविधाजनक है ? |
| 22 | आपका बच्चा शाला जाने के बाद होशियार लगने लगा है ? |
| 23 | आपका बच्चा शाला बीच में ही छोड़कर आ जाता है ? |
| 24 | आपका बच्चा शाला में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में आपको बताता है ? |
| 25 | क्या आपके बच्चें के अनुपस्थित रहने पर शिक्षक आपको सूचना देते है ? |

अभिभावकों की समस्याओं के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष

**सारणी**

| प्रश्न क्र | प्रश्नो से प्राप्त निष्कर्ष | | प्रश्नो से प्राप्त निष्कर्ष प्रतिशत में | |
|---|---|---|---|---|
| | हॉ | नही | हॉ | नही |
| 1 | 57 | 03 | 95 | 5 |
| 2 | 60 | 00 | 100 | 00 |
| 3 | 35 | 25 | 58 | 42 |
| 4 | 31 | 29 | 51 | 49 |
| 5 | 38 | 22 | 63 | 37 |
| 6 | 34 | 26 | 56 | 44 |
| 7 | 25 | 35 | 41 | 59 |
| 8 | 44 | 16 | 73 | 27 |
| 9 | 58 | 02 | 96 | 04 |
| 10 | 50 | 10 | 83 | 17 |
| 11 | 33 | 27 | 55 | 45 |
| 12 | 60 | 00 | 100 | 00 |
| 13 | 60 | 00 | 100 | 00 |
| 14 | 59 | 01 | 98 | 02 |
| 15 | 52 | 08 | 86 | 14 |
| 16 | 31 | 29 | 51 | 49 |
| 17 | 34 | 26 | 57 | 43 |
| 18 | 27 | 33 | 45 | 55 |
| 19 | 36 | 24 | 60 | 40 |
| 20 | 59 | 01 | 98 | 02 |
| 21 | 43 | 17 | 71 | 29 |
| 22 | 41 | 19 | 68 | 32 |
| 23 | 57 | 03 | 97 | 03 |
| 24 | 54 | 06 | 90 | 10 |
| 25 | 57 | 03 | 97 | 03 |

**सारणी के अनुसार अभिभावकों की समस्याओं के अध्ययन से प्राप्त** निष्कर्ष

1. 95 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार उनके बच्चे रोज शाला जाते है? और 05 निष्कर्ष प्रतिशत अभिभावको के अनुसार उनके बच्चे किसी कारणवश रोज शाला नही जा पाते है।
2. 100 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार बच्चो के शाला जाने का समय ठीक है।
3. 58 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार शिक्षक शाला मे रोज समय पर पहुच जाते है, लेकिन 42 प्रतिशत अभिभावकोके अनुसार शिक्षक शाला मे समय पर नही पहुच पाते है।
4. 51 प्रतिशत अभिभावको की राय से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षक रोज शाला मे समय पर आ जाते है, लेकिन 49 प्रतिशत अभिभावको की राय के अनुसार शिक्षक शाला कभी–कभी आते है।
5. लगभग 63 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार शिक्षक उनसे चर्चा करते है, और 37 प्रतिशत अभिभावक शिक्षक उनसे चर्चा नही करते है।
6. 56 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार शाला मे बच्चो को मध्याह्न भोजन भरपेट मिलता है, तथा 44 प्रतिशत अभिभावक इससे सहमत नही है।
7. 41 प्रतिशत अभिभावक अनुसार उनके बच्चे रोज शाला नही जा पाते है, लेकिन 59 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार बच्चे शाला रोज जाते है।
8. 73 प्रतिशत अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक मे जाते है, लेकिन 27 प्रतिशत अभिभावको को अभिभावक शिक्षक संघ की बैठकों की जानकारी नही है। इसलिए नही जा पाते है।
9. 96 प्रतिशत अभिभावको ने अपनी सहमती व्यक्त की कि शिक्षक और बच्चो के बीच व्यवहार ठिक है लेकिन 04 प्रतिशत अभिभावको ने असहमती दर्शाई है।
10. 83 प्रतिशत अभिभावको के अनुसार वे अपने बच्चो को शिक्षण सामग्री समय पर लाकर देते है लेकिन 17 प्रतिशत अभिभावक शिक्षण सामग्री समय पर ला कर नही दे पाते है।
11. सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओ की जानकारी 55 प्रतिशत अभिभावकों को है, लेकिन 45 प्रतिशत अभिभावकों को यह जानकारी नही है।
12. शत प्रतिशत अभिभावकों ने अपनी सहमति जताई कि उनके बच्चे शाला जाने पर खुश रहते है।
13. ग्रामीण क्षैत्र के लोग भी आजकल अपने लडको के साथ साथ लडकियों को भी शाला भेजते है। (100) शत प्रतिशत अभिभावकों का यही मत है।
14. 98 प्रतिशत अभिभावकों ने अपनी सहमति व्यक्त की कि यदि उनके बच्चे किसी कारण से शाला नही जा पाते है तो शिक्षक उनसे मिलने आते है। लेकिन 02 प्रतिशत अभिभावक इस प्रश्न से असहमत है।
15. 85 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार शाला में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। लेकिन 14 प्रतिशत अभिभावकों ने ना में अपनी सहमति जताई।
16. 51 प्रतिशत अभिभावकों ने अपनी सहमति हॉ जताई कि बच्चे शाला के बाद घर पर रोज पढते है। लेकिन 49 प्रतिशत अभिभावकों का पक्ष है कि बच्चे शाला के बाद घर पर रोज नही पढते है।
17. 57 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार उनका घर शाला से दूर है। लेकिन 43 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार उनका घर शाला से अधिक दूर नही है।
18. लगभग 45 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार बच्चों को खेलने हेतु शाला से सामग्री प्राप्त होती है, लेकिन 55 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार उनके बच्चों को शाला में खेल सामग्री प्राप्त नही होती है।
19. 60 प्रतिशत अभिभावकों ने अपनी सहमति जताई कि शाला का वातावरण शांतिपूर्ण है, क्योकि शाला गॉव के बाहर बना हुआ है, लेकिन 40 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार शाला का वातावरण शान्तिपूर्ण नही है क्योकि कुछ शाला गॉव के बीच में हैं।
20. 71 प्रतिशत अभिभावकों ने अपनी सहमति से हॉ के पक्ष दिया कि शाला जाने पर बच्चों की खेलकूद में रूचि बढी है। लेकिन 29 प्रतिशत अभिभावक ना के पक्ष में है।
21. 68 प्रतिशत अभिभावकों ने बतलाया कि वर्षा ऋतु में शाला पहुच मार्ग सुविधाजनक है। लेकिन 32 प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि वर्षा ऋतु में शाला का मार्ग असुविधाजनक हो जाने से बच्चों को शाला आने जाने में कठिनाई होती है।
22. 68 प्रतिशत अभिभावकों का मत था कि शाला जाकर उनके बच्चे खुश रहे, वे अपने शिक्षकों की तारीफ करते रहे व शाला जाने से होशियार भी हो गये।
23. 03 प्रतिशत अभिभावकों **का मत था कि** बच्चे शिक्षको से बहाना बनाकर शाला को बीच में ही छोडकर आ जाते है, लेकिन 97 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार उनके बच्चें शाला छोडकर नही आते है।
24. 90 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार बच्चे शाला में होने वाले सभी कार्यक्रमों के बारे में घर आकर बताते है। लेकिन 10 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार बच्चें घर पर आकर नही बताते है।
25. 97 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार बच्चें के अनुपस्थित रहने पर शिक्षक सूचना देते है, लेकिन केवल 03 प्रतिशत अभिभावकों के अनुसार बच्चें अनुपस्थित रहने पर शिक्षक सूचना न**.**

## सन्दर्भ

1. अवस्थी,राकेश (2006); स्कूल चले हम अभियान 2005 का

प्राथमिक स्तर पर प्रभाव का अध्ययन (टीकमगढ जिले के संदर्भ में)– एम.एड. लघु शोधप्रबंध सर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर।

2. भटनागर, सुरेश; भारतीय शिक्षा एवं उसकी समस्याएँ इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस मेरठ।
3. जोशी, अल्पना (2004); प्रारंभिक शिक्षा के लोक व्यापीकरण में ''पालक–शिक्षक संघ'' की भूमिका का अध्ययन करना (खण्डवा विकासखण्ड के संदर्भ में) एम.एड. लघु शोध प्रबंध देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर।
4. माथुर, एस.एस. शिक्षा मनोविज्ञान विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
5. पलाश मार्च–अप्रेल–मई 1994; राज्य शिक्षक प्रशिक्षण मण्डल म.प्र. द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका
6. पाठक, पी.डी. (1995); भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा।
7. शर्मा, वन्दना (2006); विगत पांच वर्षो की तुलना में वर्ष 2004–05 के जिला प्राथमिक बोर्ड परीक्षा के परिणाम प्रभावित होने के कारणों का अध्ययन(खण्डवा विकास खण्ड के संदर्भ में) एम.एड. लघु शोध प्रबंध देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर।
8. श्रीवास्तव, सपना (1998); मध्य प्रदेश में सत प्रतिशत साक्षरता के लिये प्राथमिक स्तर पर शिक्षा में अपव्यय व अवरोध के कारणों का निदानात्मक अध्ययन पी.एच.डी. उपाधि हेतु शोध प्रबंध, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर।
9. सिंह आर. (2001); ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की शैक्षणिक कार्यदशाओं का समाज शास्त्रीय अध्ययन, पी.एच.डी. डॉ बी. आरअम्बेडकर विश्वविद्यालय।